वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 234 | सोमवार 19 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने वेदांता पिंकसिटी हॉफ मैराथन का किया फ्लैग ऑफ

"रन फॉर जीरो हंगर" थीम पर आयोजित हुई मैराथन

जयपुर. कासं। राज्य सरकार के "**कोई भूखा ना सोए**" संकल्प को साकार करती वेदांता पिंकसिटी हॉफ मैराथन रविवार को आयोजित हुई। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रातः 6:30 बजे अल्बर्ट हॉल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग पर मैराथन का फ्लैग ऑफ किया। उन्होंने धावकों से हाथ मिलाकर आगे बढ़ते रहने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। "**रन फॉर जीरो हंगर**" थीम पर आयोजित मैराथन में तीन कैटेगरी 21, 10 व 5 किलोमीटर में धावकों ने दौड़ पूरी करते हुए "कोई भूखा ना सोए", "निरोगी राजस्थान" और आगे बढ़ने का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि इस मैराथन में सभी धावक मिलकर जितने मीटर दौड़े हैं, आयोजक समूह की ओर से उतने जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया जाएगा। इस अवसर पर श्रम राज्य मंत्री सुखराम विश्नोई, वेदांता समूह व आयोजन से जुड़ी प्रिया अग्रवाल हेब्बर, आकर्ष हेब्बर, रितु झिंगन और डॉ. मनोज सोनी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राजस्थान कांग्रेस को लेकर नई दिल्ली में 23 दिसंबर को अहम बैठक, तीन नेताओं के भविष्य पर फैसला!

जयपुर. कासं

राजस्थान कांग्रेस को लेकर नई दिल्ली में 23 दिसंबर को अहम बैठक होने जा रही है। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, सीएम अशोक गहलोत, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद रहेंगे। इस बैठक में राजस्थान कांग्रेस के तीन नेताओं को नोटिस और अनुशासन समिति की रिपोर्ट के बाद

फैसला लिया जाएगा। राजस्थान सरकार में मंत्री शांति धारीवाल, जलदाय मंत्री महेश जोशी और आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ को पार्टी ने अनुशासनहीनता के मामले में नोटिस दिया था।

नहीं हो पाई थी विधायक दल की बैठक

पिछली 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की जयपुर में बैठक होनी थी और सभी विधायकों को इसमें आना था लेकिन देर रात तक भी गहलोत समर्थक विधायकों की नाराजगी के चलते नहीं विधायक दल की बैठक नहीं हो पाई थी और ऐसे में आलाकमान को अधिकार देने का एक लाइन का प्रस्ताव भी अटक गया था और प्रभारी अजय माकन और पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे अगले दिन दिल्ली लौट गए थे। इसके बाद सीएम गहलोत दिल्ली गए थे और वहां उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात कर माफी मांगी थी और कहा कि उन्हें पूरी जिंदगी दुख रहेगा कि वे कांग्रेस आलाकमान के पक्ष में एक लाइन का प्रस्ताव पास नहीं करा सके थे।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री ने जताया जी-20 देशों के इवेंट में गीता भेंट करने का संकल्प

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

केन्द्रीय संस्कृति राज्यमंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने संकल्प लिया है कि भारत के जी-20 की अध्यक्षता संभालने के दौरान देश में जो भी कार्यक्रम (इवेंट) होंगे उनमें आने वाले विदेशी प्रतिनिधियों को श्रीमद् भागवत गीता भेंट की जाएगी। ये संकल्प मंत्री मेघवाल ने रविवार शाम भीलवाड़ा के शास्त्रीनगर स्थित जाट भवन में सनातन धर्म भागवत कथा समिति द्वारा पूज्य संत संतोषसागर महाराज के सानिध्य में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के दौरान व्यास पीठ से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद लिया। व्यास पीठ पर विराजित संतोषसागर महाराज ने उन्हें श्रीमद भागवत गीता ही भेंट की। मेघवाल ने कहा कि वर्ष 2023 में जी-20 की भारत द्वारा अध्यक्षता के दौरान विभिन्न कार्यक्रम होंगे। संस्कृति मंत्रालय को चार कार्यक्रमों की जिम्मेदारी मिली है। इन कार्यक्रमों में जी-20 में शामिल 43 देशों के मंत्री, अधिकारी व प्रतिनिधि शामिल होंगे उन्हें गीता भेंट की जाएगी। मेघवाल ने कहा कि श्रीमद् भागवत गीता का सही अर्थों में संदेश पूरे संसार में फैले इसलिए संस्कृति मंत्रालय गीता का विभिन्न विदेशी भाषाओं में अनुवाद भी करा रहा हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी विदेश में जिस राष्ट्राध्यक्ष से मिलते है उन्हें भागवत गीता ही भेंट करते है। उन्होंने कहा कि पूज्य संतोषसागर महाराज गीता संदेश का प्रचार कर मंत्रालय का ही कार्य कर रहे है। केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का आयोजन समिति के अध्यक्ष श्याम चांडक, महासचिव शांतिप्रकाश मोहता सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्वागत किया। इस मौके पर सांसद सुभाष बहेड़िया, भाजपा जिलाध्यक्ष लादूलाल तेली, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष दामोदर अग्रवाल का भी स्वागत किया गया एवं व्यास पीठ से गीता भेंट की गई।

प्रदेश में कांग्रेस को उखाड़ कर डबल इंजन की सरकार लानी है : मेघवाल

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ विधानसभा मुख्यालय पर रविवार को भाजपा जनाक्रोश रैली के समापन मौके पर आमसभा का आयोजन किया गया। आमसभा में मुख्यवक्ता के रूप में केन्द्रिय संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने संबोधित किया। मंच पर सांसद सुभाष बहेड़िया, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष लादूलाल तेली, पूर्व विधायक बद्री प्रसाद गुरूजी, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य भगवानसिंह, पूर्व पालिका अध्यक्ष राजकुमार आंचलिया सहित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि व भाजपा पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। केन्द्रिय संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि जनता 2024 में केंद्र में नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने को आतुर बैठी है। उससे पहले 2023 में राजस्थान में कांग्रेस सरकार को उखाड़कर भाजपा की सरकार को लाना है। डबल इंजन की सरकार होगी तो राजस्थान का विकास सुचारू हो सकेगा। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस नेता केवल सीएम की कुर्सी के लिए ही चार साल से लड़ते चले आ रहे हैं। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने से लेकर आज तक केवल कुर्सी के लिए लड़ाई चल रही है। कांग्रेस के विधायक मिनी सीएम बन रहे हैं। इससे प्रदेश में कानून व्यवस्था चैपट हो रही है। महिला अत्याचार के मामलों में देश में राजस्थान अव्वल हो गया है। उन्होंने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस हाइकमान अशोक गहलोत व सचिन पायलेट के मन मिलने की बात कह रहा है पर दोनों के हाथ तो मिलवा कर दिखाओ। उन्होंने कांग्रेस पर कई कटाक्ष किये। सभा को सांसद सुभाष बहेड़िया, मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष लादूलाल तेली ने भी संबोधित किया।

मंत्रीजी ने गाया भजन पायों जी मैने रामरतन धन पायों

भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रह चुके मंत्री मेघवाल ने मंच से भक्तिमति मीरा का भजन भी पेश किया। मीरा का मशहूर भजन पायों जी मैने रामरतनधन पायों पेश किया तो श्रद्धालु खुशी का इजहार करने लगे। उन्होंने कहा कि मीरा ने जो रामरतन धन की परिभाषा दी है वह कोई नहीं दे पाया है। जग में सुंदर है दो नाम चाहे कृष्ण कहों या राम। उन्होंने संतोषसागर महाराज को नमन करते हुए कहा कि व्यास पीठ पर विराजना साधना का सर्वोच्च शिखर है।

छाया कृष्ण जन्मोत्सव का उल्लास, झूमते भक्त बोले नंद के आनंद भैयो जय कन्हैयालाल की

पूज्य संत संतोषसागरजी महाराज ने कहा कृष्ण से बड़ा रोल मॉडल दुनिया में नहीं, श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के तहत मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। हर तरफ कृष्ण जन्म का उल्लास छाया हुआ था और भक्तगण खुशी से सरोबार होकर नंद के आनंद भैयो जय कन्हैयालाल की, हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैयालाल की गूंजायमान कर रहे थे। भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया तो स्थान कहने के लिए भीलवाड़ा का जाट भवन था लेकिन नजारा नंदनगरी गोकुल समान प्रतीत हो रहा था। ये नजारा पूज्य संत संतोषसागर महाराज के सानिध्य में भीलवाड़ा के शास्त्रीनगर स्थित जाट भवन में सनातन धर्म भागवत कथा समिति के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा महोत्सव के चौथे दिन रविवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग के वाचन के दौरान प्रस्तुत हुआ। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में नृसिंह अवतार, प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार, रामावतार व श्रीकृष्ण जन्मोत्सव प्रसंग का वाचन किया गया। कथा के दौरान भगवान के जयकारे गूंजते रहे। भगवान कृष्ण का जन्मोत्सव मनाने के दौरान पुष्पवर्षा होती रही और श्रद्धालु खुशी से झूमते हुए नृत्य करते रहे। वासुदेव बने एसपी मोहता टोकरी में रख बाल गोपाल को लेकर मंच पर पहुंचे तो हर तरफ भगवान कृष्ण के जयकारे लगते रहे। कृष्ण जन्मोत्सव मनाने के लिए पांडाल में विशेष सजावट की गई थी। संत संतोषसागर महाराज ने कहा कि दुनिया में भगवान कृष्ण से बड़ा रोलमॉडल कोई नहीं हो सकता। भगवान का अवतार पुण्यात्माओं की रक्षा करने एवं पापियों का नाश करने के लिए होता है। जिसकी आत्मा शुद्ध व पवित्र हो, जिसके पास साधना हो उसके यहां सबको आनंद प्रदान करने वाले श्रीकृष्ण आते है। कथा के शुरू में भागवतजी की आरती व पूजा अग्रणी जजमान हनुमानप्रसाद दम्मानी, सीताराम दम्मानी, राजेन्द्रप्रसाद दम्मानी, राघेश्याम सोमानी ने की। सांसद सुभाष बहेड़िया, माहेश्वरी महासभा के पूर्व राष्ट्रीय सभापति रामपाल सोनी, भाजपा जिलाध्यक्ष लादूलाल तेली, पूर्व जिलाध्यक्ष दामोदर अग्रवाल ने भी व्यास पीठ पर विराजित संतोषसागर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के अध्यक्ष श्याम चांडक एवं महासचिव शांतिप्रकाश मोहता ने किया। राजस्थान के 25 जिलों में सनातन धर्म प्रचार यात्रा निकालने के बाद 26वें पड़ाव के रूप में भीलवाड़ा पहुंचे संतोषसागरजी महाराज ने कहा कि उनका लक्ष्य केवल कथा करना नहीं बल्कि बच्चों व युवाओं को सनातन धर्म के अनुरूप संस्कारित बनाना व उन तक गीता संदेश पहुंचाना है। आयोजन समिति के उपाध्यक्ष कैलाश तापड़िया ने बताया कि कृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजन समिति के सदस्यों के लिए ड्रेस कोड भी रखा गया। इस दौरान कई युवा सदस्यों ने भी भारतीय संस्कृति के प्रतीक कुर्ता-धोती पहन खुशी जताई।

भारत का सर्वस्व, पहचान और गौरव है भगवान राम

कथा के दौरान रामावतार प्रसंग का वाचन करते हुए संतोषसागर महाराज ने कहा कि राम की कथा समझे बिना कृष्ण की कथा नहीं समझी जा सकती। राम को जानने के लिए वैसा चित एवं चरित्र होना जरूरी है। युवा कृष्ण के बारे में तो फिर भी कुछ जानते है लेकिन राम के बारे में बहुत कम जानते है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राम से अधिक रावण हो गए है। रावण को रावण नहीं मार सकता। हर घर में रावण बैठे है इतने राम कहां से लाए। हम सभी का कर्तव्य है जिस मिट्टी का अन्न खाया उसकी सेवा के लिए सदैव तत्पर रहे।

हर खंभे में नृसिंह मौजूद भक्त प्रहलाद जैसा चाहिए

संतोषसागर महाराज ने नृसिंह अवतार व प्रहलाद चरित्र प्रसंग का वाचन करते हुए कहा कि अब भी हिरण्यकश्यप जैसे दुष्टों का नाश करने के लिए हर खंभे में नृसिंह भगवान मौजूद है लेकिन भक्त प्रहलाद जैसा होना चाहिए। जिस कुल में प्रहलाद जैसा पुत्र हो उसकी 21 पीढ़िया तर जाती है। उन्होंने कहा कि हर मां चाहती उसकी संतान भक्त प्रहलाद, स्वामी विवेकानंद व वीर शिवाजी जैसी हो लेकिन इसके लिए उसका आचरण व संस्कार भी उनकी माताओं जैसा होना चाहिए। बच्चों को अच्छी शिक्षा व संस्कार देना भी माता-पिता का कर्तव्य है। भगवान नृसिंह हिरण्यकश्यप को मारने के लिए नहीं बल्कि अपने भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए प्रकट हुए थे। उन्होंने होलिका की कथा सुनाते हुए कहा कि प्रहलाद की हरिनाम भक्ति ने कभी नहीं जलने का वरदान पाने वाली होलिका को भी खाक कर दिया। उन्होंने भगवान के वामन अवतार का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि दानवीर कैसा होता है ये राजा बलि के जीवन से सीख सकते है।

सुंदरकांड में बजा चंग, झूम उठे भक्तगण

श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के तहत शनिवार रात कथास्थल पर श्रीराम मंडल सेवा संस्थान की ओर से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पूज्य संत संतोषसागर महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष शांतिप्रकाश मोहता के नेतृत्व में सुंदरकांड की भव्य व गरिमापूर्ण प्रस्तुति दी गई। इस दौरान चंग बजा तो भक्तगण झूम उठे ओर नाचते-गाते हुए प्रभु भक्ति की। सुंदरकांड की प्रस्तुति देने वालों में मुकुनसिंह राठौड़, रामकुमार बाहेती, गोविन्द बहेड़िया, अभयसिंह चुण्डावत आदि शामिल थे। अंत में संस्थान की ओर से अध्यक्ष मोहता एवं सनातन धर्म भागवत कथा समिति के अध्यक्ष श्याम चांडक ने संतोषसागरजी महाराज को स्मृति चिन्ह भेंट किया। सनातन धर्म भागवत कथा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा महोत्सव के लिए आए संत संतोषसागर महाराज रविवार को भीलवाड़ा की जिला जेल में पहुंचे। यहां सैंकड़ों बंदीजन को संबोधित करते हुए कहा जेल में आने वाला हर व्यक्ति अपराधी नहीं होता ना बाहर का हर व्यक्ति ईमानदार होता है।

वेद ज्ञान

दुनिया में रहे हमारे सिद्धांत की विरासत

सिद्धांत शब्द का संधि विच्छेद है सिद्ध-अंत। सार्वजनिक व सार्वभौमिक कल्याण कामना से जो भाव-विचार सिद्ध हों या जिस भाव-विचार की सिद्धि लोक-कल्याण के लिए कार्यरूप में हो, वही सिद्धांत कहलाता है। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और समुदाय की सुख-शांति के लिए एक विचार प्रकट होता है। इस विचार में यदि वास्तव में सर्वसुख-शांति की शक्ति है और व्यावहारिक बनने पर यह विचार अपनी वैचारिक श्रेष्ठता बनाए रख सकता है तो यह सिद्धांत में बदल जाता है। इसी प्रकार के अनेक विचार अपनी-अपनी वैचारिकता और व्यावहारिकता के सामंजस्य से मानव उत्थान में जो योगदान देते हैं, उसी आधार पर वे सिद्धांत बनते हैं। चूंकि मानवीय जीवन चाहे-अनचाहे उत्तरोत्तर कल्याण, विकास की ही कामना रखता है इसीलिए सार्वभौमिक कल्याणकारी विचार और व्यवहार के फलस्वरूप जो सामाजिक सूचना प्रसारित होती है, वह धीरे-धीरे सर्वस्वीकार्य हो जाती है। इस तरह एक सिद्धांत उत्पन्न होता है। समझदार और प्रौढ़ व्यक्ति के जीवन में कुछ न कुछ सिद्धांत अवश्य होते हैं। सिद्धांत से तात्पर्य दैनिक वस्तुओं के उपभोग के नियम में बंधने से नहीं है। मनुष्य के भाव-विचार वास्तविक संसार के विषयों से अलग होकर व्यक्तिगत चेतना से संचालित होने चाहिए। ऐसा होने पर विषयों के प्रति आत्मिक दृष्टिकोण बनने लगता है। इसके बाद दुनियावी पूर्वग्रह एक नई विचार-छलनी से छलने लगते हैं और इसमें से निकलकर जो नव-विचार व्यक्ति को उचित लगते हैं, वे सिद्धांतों का रूप ग्रहण करते हैं। प्रत्येक विचार परोपकार की भावना से पोषित होना चाहिए। इस उपक्रम से सैद्धांतिक वातावरण बनने लगता है। मनुष्य अपने इष्टतम ज्ञान को पहचाने। यह तभी संभव है, जब उसके ज्ञान के सिद्धांत निर्धारित हों। इस दुनिया में सभी का जीवन निर्धारित समय तक ही है। यदि कोई अपनी मृत्यु के बाद इस संसार में कुछ छोड़ जाता है, तो वे उसके मौलिक व मानवीय सिद्धांत ही होते हैं। आध्यात्मिक दृष्टिकोण अपनाकर आसानी से समझा जा सकता है कि जीवन के बाद भी हमारी पहचान हमारे सकारात्मक और जीवन से संबंधित सिद्धांतों के बल पर ही हो सकती है।

संपादकीय

नाहक परेशानी उठानी पड़ रही

दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भीड़भाड़ और मुसाफिरों को बेवजह होने वाली परेशानियों की शिकायतों के मद्देनजर नागर विमानन मंत्रालय ने स्थिति का जायजा लिया और भरोसा जताया है कि इस महीने के अंत तक हालात सामान्य हो जाएंगे। लोगों को होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त स्कैनिंग मशीनें लगाई जाएंगी और करीब चौदह सौ अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाएंगे। गौरतलब है कि पिछले कुछ हफ्तों से लोग शिकायत कर रहे थे कि उन्हें प्रवेश द्वार से लेकर सामान की जांच आदि के लिए लंबी कतार लगानी पड़ती है। इस तरह उन्हें नाहक परेशानी उठानी पड़ रही है। ऐसी शिकायतें मुंबई हवाई अड्डे से भी मिलती रही हैं। इन दोनों हवाई अड्डों से देश और दुनिया के हर शहर के लिए उड़ानें संचालित होती हैं। स्वाभाविक ही यहां भीड़भाड़ रहती है। मगर मुसाफिरों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ही इन हवाई अड्डों का विस्तार किया गया था। इनके रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था आदि की जिम्मेदारी सक्षम निजी कंपनियों को सौंपी गई थी। अच्छी सुविधाएं और व्यवस्था मुहैया कराने के तर्क पर यात्रियों से अधिक शुल्क भी वसूला जाता है। फिर भी अगर वहां अव्यवस्था का आलम देखा जाता है और उसके समाधान के लिए नागर विमानन मंत्रालय और संसदीय समिति को दखल देना पड़ता है, तो यह विडंबना ही कही जाएगी। दिल्ली और मुंबई जैसे हवाई अड्डों पर यात्रियों के पहुंचने का समय एक घंटे से बढ़ा कर उड़ान से दो घंटा पहले कर दिया गया। साथ ले जाए जाने वाले सामान का वजन भी घटा कर कम कर दिया गया। ऐसा इसी मकसद से किया गया कि यात्रियों और सामान आदि की जांच में असुविधा न हो। इसके बावजूद अगर लोगों को लंबी कतार लगानी पड़ती है, तो इसे व्यवस्थागत खामी ही कहेंगे। ऐसा नहीं माना जा सकता कि विमानन कंपनियों को इस बात का अंदाजा नहीं होता कि किस दिन कितने मुसाफिर उनके विमानों में उड़ान भरेंगे। इस हिसाब से उन्हें यह भी अंदाजा होता है कि एक आदमी की जांच और अंतिम रूप से हवाई जहाज में प्रवेश कराने में कितना वक्त लग जाता है। फिर अगर वे मुसाफिरों के बढ़ते दबाव के अनुसार अपनी व्यवस्था में विस्तार नहीं करती हैं, तो इससे उनकी जानबूझ कर की जाने वाली लापरवाही और यात्रियों को परेशान करने की मंशा ही जाहिर होती है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि कामकाजी व्यस्तता और लंबी दूरी के लिए अच्छी रेलगाड़ियां न होने की वजह से बहुत सारे लोग रेल के बजाय हवाई जहाज से सफर करना बेहतर समझते हैं। फिर रेलों के समय से न पहुंचने और अनेक रेलें बंद हो जाने की वजह से भी विमानन कंपनियों पर बोझ बढ़ा है। यह अच्छी बात है कि कोरोना काल में लंबी बंदी के बाद हवाई यात्रा सुगम हो गई है और इस तरह उन्हें अपना घाटा पाटने में मदद मिल रही है, मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं लगाया जा सकता कि मुसाफिरों की सुविधा का ध्यान रखे बगैर वे मुनाफा कमाएं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

हिंसा का पाठ...

पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची को अगर कोई शिक्षक बुरी तरह पीटे, कैंची से वार करे और फिर उसे पहली मंजिल से नीचे फेंक दे, तो क्या ऐसे व्यक्ति को बच्चों को पढ़ाने-लिखाने लायक माना जा सकता है? हैरानी है कि दिल्ली में एक प्राथमिक विद्यालय की एक शिक्षिका को स्कूल परिसर में खुद पर इतना नियंत्रण रखना भी जरूरी नहीं लगा कि वह जो कर रही है, उससे बच्ची की मौत हो सकती है। गनीमत रही कि छत से फेंके जाने के बाद बच्ची किसी तरह जिंदा बच गई। लेकिन इस घटना से एक बार फिर यह सवाल उठा है कि स्कूलों में शिक्षक के रूप में नियुक्ति से पहले जरूरी योग्यताएं हासिल करने के लिए तय प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद भी एक व्यक्ति कैसे अपने भीतर की कुंठा को बनाए रख पाता है। स्कूल परिसर में शिक्षक की भूमिका को बुनियादी रूप से भी समझने वाला व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियों और बर्ताव को लेकर सजग और संयत रहेगा। मगर किसी भी स्थिति में अगर एक बच्ची के साथ ऐसी घटना होती है तो यह गंभीर चिंता की बात है। घटना के बाद आरोपी शिक्षिका के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया जरूर शुरू कर दी गई है, लेकिन मामले के ब्योरे से प्रथम दृष्टया यही लगता है कि एक सामान्य मनोदशा का व्यक्ति किसी बच्चे के प्रति ऐसा बर्ताव नहीं कर सकता। अव्वल तो एक शिक्षक के लिए बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के साथ-साथ उनके साथ पेश आने के सलीके का ध्यान रखना जरूरी होता है। यह न केवल पेशागत जिम्मेदारी है, बल्कि कानूनी तौर पर भी बच्चों को स्कूल में पीटना तो दूर, डांटने-फटकने पर भी सख्त मनाही है। अगर कोई शिक्षक इसका ध्यान नहीं रखता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। मगर इसके बावजूद ऐसे शिक्षकों के बेलगाम बर्ताव की खबरें अक्सर आती रहती हैं, जिसमें किसी बच्चे को पीटने या यातना देने की अपनी कुंठा को ड्यूटी का हिस्सा समझ लिया जाता है। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब उत्तर प्रदेश के कानपुर के एक निजी स्कूल में पांचवीं कक्षा के एक छात्र के हाथ पर अध्यापक ने सिर्फ इसलिए छेद करने वाली मशीन चला दी कि वह दो का पहाड़ा नहीं सुना सका था। इसी तरह, कुछ समय पहले राजस्थान में जालौर के एक स्कूल में शिक्षक की पिटाई से एक दलित बच्चे की मौत की खबर सुर्खियों में रही थी। वजह सिर्फ यह थी कि बच्चे ने स्कूल की मटकी से पानी पी लिया था। सवाल है कि एक शिक्षक की जिम्मेदारी और संवेदनाओं को भूल कर कोई व्यक्ति अगर बच्चों के खिलाफ इस तरह के बर्बर व्यवहार करने लगे तो किस कसौटी पर उसे शिक्षक होने के योग्य कहा जा सकता है! शिक्षक बनने की योग्यता हासिल करने के क्रम में प्रशिक्षण की प्रक्रिया से गुजरने के दौरान न केवल पाठ को पढ़ाने के तौर-तरीके बताए जाते हैं, बल्कि बाल मनोविज्ञान और उसकी परतों को ध्यान में रखते हुए व्यवहारगत सलीकों का भी अध्ययन कराया जाता है। इसके बावजूद अगर कुछ शिक्षक अपनी मानसिक दुर्बलता की वजह से बच्चों के प्रति कई बार बर्बरता की हद पार कर जाते हैं। तो इसे कैसे देखा जाएगा? अगर कोई शिक्षक किसी तरह की असुविधाजनक मानसिक परिस्थिति से गुजर रहा हो, तो उसे मनोवैज्ञानिक परामर्श या चिकित्सा का सहारा लेना चाहिए। उसकी कुंठा का खमियाजा स्कूल में पढ़ने आए किसी मासूम को क्यों भुगतना पड़े?

श्री महावीर कॉलेज में दो दिवसीय इंटर कॉलेजिएट यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान जूडो टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री महावीर कॉलेज में रविवार दिनांक 18 दिसंबर 2022 को दो दिवसीय इंटर कॉलेजिएट जूडो टूर्नामेंट (पुरुष एवं महिला) का शुभारंभ हुआ । दो दिवसीय इस टूर्नामेंट के पहले दिन राजस्थान के अलग अलग क्षेत्रों से आई 31 टीमो ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, कॉलेज प्राचार्य डा0 आशीष गुप्ता एवं अन्य गणमान्य सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हर्षित खंडेलवाल (1 Expo International, 14 Nationals, 17 States और

1 Inter college) खेल चुके हैं तथा (CBSE Nationals (1 Gold, 1 silver, 1 Bronze), West Zone (3 Gold), State level (14 Gold, 1 Silver, 2 Bronze), Delhi University (1 Gold) जीत चुके हैं। शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी ने अपने अभिभाषण में जीवन में अध्ययन के साथ खेलों का महत्व भी बताया। मुख्य अतिथि श्री हर्षित खंडेलवाल ने विधार्थियों को खेलने पर जोर दिया। इससे न केवल विधार्थियों को प्रोत्साहन मिला बल्कि उनके आत्मविश्वास मे भी वृद्धि हुई । शिक्षा परिषद के मंत्री सुनील बरड़ीया, कोषाध्यक्ष महेश काला, कार्यकारिणी सदस्यों व कॉलेज प्राचार्य डा. आशीष गुप्ता ने आयी हुई सभी टीमों को शुभकामनाये प्रेषित की ।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 654 की जांच कर 308 को किया भर्ती

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

नसीराबाद। लायंस केकड़ी व डी डी नेत्र फाउंडेशन कोटा के तत्वाधान में आयोजित निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का जयपुर रोड लायंस भवन में मुख्य अतिथि कैलाश चंद सोनी, विशिष्ट अतिथि लायन कमल शर्मा संभागीय अध्यक्ष , लायन निरंजन बंसल क्षेत्रीय अध्यक्ष,पदम कुमार सोनी, सुरेंद्र कुमार सोनी ,प्रोजेक्ट चेयरमैन लायन एस एन न्याति, लायन हरीश गर्ग, डॉ कुसुम चौधरी, डॉ समीक्षा अग्रवाल ,डॉ रामेश्वर चौधरी, आनंद सोनी, कमल सोनी, आशीष सोनी, प्रमोद सोनी , आभा सोनी, सोनल सोनी, अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, डॉक्टर बृजेश गुप्ता ने गणेश जी की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर शिविर का शुभारंभ किया।

धर्म प्रभावना के लिए विद्वानों का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया। दशलक्षण पर्व के दौरान धर्म प्रभावना के लिए देश-विदेश के 525 स्थानों पर गए श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के विद्वानों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।इस मौके पर सभी विद्वानों का श्रीफल, शास्त्र तथा वस्त्रादि से सम्मान किया गया। संस्थान के अध्यक्ष शांति कुमार जैन की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में पं. शिखरचन्द जैन, विदुषी किरण जैन के अलावा संस्थान के छात्रों तथा शिक्षकों ने अपने अनुभव बताये।इस मौके पर दशलक्षण प्रभारी संजीव जैन ने रिपोर्ट प्रस्तुत की,साथ ही सभी विद्वानों का श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर की ओर से श्रीफल, शास्त्र तथा वस्त्रादि से सम्मान किया गया। उन्होंने बताया कि शिविरों में अभूतपूर्व धर्म प्रभावना के लिए रजत गौरव महोत्सव के मुख्य संयोजक उत्तम चन्द पाटनी का रजत कलश प्रदान कर सम्मान किया गया। संचालन पं. दीपक जैन शास्त्री ने किया। कार्यक्रम में संस्थान के अधिष्ठाता डॉ.जयकुमार जैन, अधिष्ठात्री शीला डोड्या, कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, मानद् मंत्री सुरेश कुमार जैन, उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद बज, उत्तम चन्द पाटनी, संयुक्त मंत्री दर्शन कुमार जैन, बस्सी वाले सदस्य शैलेन्द्र गोधा, मुकेश बैनाड़ा, प्रो. अरूण कुमार जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में संस्थान के मंत्री सुरेश कुमार जैन ने आगन्तुक अतिथियों का आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम का समापन किया।

संगीतमय णमोकार महामंत्र भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं जैन भजन संध्या का हुआ आयोजन

निवाई. शाबाश इंडिया

विश्व णमोकार दिवस पर सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था जयपुर के आह्वान पर निवाई के भगतसिंह कालोनी स्थित जैन भवन पर महिला मण्डल के द्वारा संगीतमय णमोकार महामंत्र,भक्तामर स्तोत्र पाठ के साथ जैन भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि विश्व णमोकार दिवस के उपलक्ष्य में णमोकार महामंत्र एवं संगीतमय भक्तामर पाठ का अनुष्ठान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पुलिस वृताधिकारी रविकांत एवं विशिष्ट अतिथि सुशील जैन आरामशीन एवं विष्णु बोहरा महेन्द्र जैन राहुल कुमार रोहित जैन लावा द्वारा भगवान शांतिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अनुष्ठान की शुरूआत गायक कलाकार विमल जौंला एवं गायिका मुन्नीदेवी भाणजा शकुंतला भाणजा ने णमोकार मंत्र की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम मे मंगलाचरण मायादेवी जैन नीतू जैन सोनू जैन लावा ने किया। जौंला ने बताया कि श्रद्धालुओं ने रिद्धि मंत्रों से 48 दीपकों को भक्तामर श्लोकों से मण्डप पर समर्पित किए गए। महिला मण्डल की प्रवक्ता संजू जौंला ने बताया कि सभी श्रद्धालुओं ने अपने मुखारविंद से भक्तामरजी का उच्चारण करते हुए सम्यग्दर्शन सम्यक ज्ञान एवं सम्यक चारित्र के दीपक समर्पित किए।इस दौरान भगवान आदिनाथ चालीसा, महावीर चालीसा एवं आचार्य मानतुंगाचार्य की वन्दना करके पंचपरमेष्ठी आरती के साथ भगवान पार्श्वनाथ की पूजा अर्चना की। कार्यक्रम का संचालन जैन धर्म प्रचारक एवं गायक विमल जौंला ने किया। इस दौरान जैन भजन संध्या आयोजित की गई।

मुनिश्रद्धानंदी जी ने कहा...

सम्यक दृष्टि में आगे बढ़ने की अंतरंग जिज्ञासा होती है

प्रकाश पाटनी.शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। आत्म कल्याण करने के लिए हम अपने जीवन में नित्य प्रति दिन आत्म कल्याण की क्रियाऐ कर रहे हैं। आत्म कल्याण कैसे हो जानना बड़ा मुश्किल है ।निग्रन्थ, साधु, महात्मा, यति के माध्यम से जान सकते हैं कि हम आत्मा का कल्याण कैसे करें। मुनि श्रद्धानन्दजी महाराज सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर में धर्म सभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आत्म कल्याण करने के एक नहीं अनेक सूत्र है। कुंदकुंद स्वामी से जाना, जिनेंद्र भक्ति करना। हमने गुरु का सम्मान करना जाना, शुरू किया। गुरु ही ताड़ने वाले हैं, वह जाना जिज्ञासा उत्पन्न होना,सम्यक दृष्टि का एक विषय है । मुनि ने कहा कि सम्यक दृष्टि में आगे बढ़ने की अंतरंग जिज्ञासा होती है। जिज्ञासा उत्पन्न होना सम्यकदृष्टि का एक विषय है।फिर एक जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि संसार में दुर्लभ क्या है। इस दौरान साधु सेवा ट्रस्ट उदयपुर द्वारा पत्रिका का समाज के गणमान्य सदस्यों द्वारा विमोचन किया गया। कैलाश गंगवाल ने कहा कि मुनिश्री श्रद्धानंदजी महाराज की प्रेरणा व आशीर्वाद से साधु सेवा ट्रस्ट उदयपुर में अनेक सेवाएं दे रहा है।

उन्होंने बताया कि दिगंबर मुनियों के आहार- विहार, औषधि की व्यवस्था करना, सिद्ध क्षेत्र, तीर्थ क्षेत्र की यात्रा, चातुर्मास में सहयोग करना, जन-जन में दिगंबर जैन मुनियों को जोड़ना, मुनियों के संदेशों को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्यों के बारे में संपूर्ण जानकारी दी। शुरू में दीप प्रज्वलन किया गया श्रीमती सरला चूड़ीवाल ने मंगलाचरण किया । उदयपुर से आए अतिथियों का सम्मान किया गया ।संचालन अशोक छाबड़ा ने किया। पारस जैन ने बताया कि दोपहर 2:30 बजे मुनिससंघ का कोटडी की ओर विहार हो गया । मुनिश्री ने सभी को आशीर्वाद दिया कहा कि साधु चलते-फिरते तीर्थ होते हैं। साधु समागम का पूरा लाभ लेते रहे। उल्लेखनीय है कि मुनि ससंघ के अल्प प्रवास के दौरान यहां धर्म की महति प्रभावना रही ।

पूर्व चीफ जस्टिस एन के जैन ने किए भगवान महावीर के दर्शन

चन्द्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में रविवार को कर्नाटक और मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस ने भगवान महावीर के दर्शन कर क्षेत्र व प्रदेश की अमन चैन की प्रार्थना की। मंदिर कमेटी के प्रबंधक नेमी कुमार पाटनी ने बताया कि प्रबंधकारिणी कमेटी पूर्व अध्यक्ष वर्तमान कार्यकरिणी सदस्य कर्नाटक और मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व अध्यक्ष एन के जैन ने सपरिवार श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में भगवान महाबीर की मूलनायक प्रतिमा के दर्शन कर देश व प्रदेश में खुशहाली की कामना की। पंडित मुकेश शास्त्री ने वैदिक मंत्रोचार व जैन पूजा पद्धति अनुसार पूजा अर्चना संपन्न कराई। नवस्थापित 24 फीट ऊंची खण्डकाशन भगवान महावीर की मूर्ति सहित चोबीसी के दर्शन कर अमनचैन की कामना की।प्रबंधकारिणी के प्रबधक सहित अन्य ने साफा ओर माल्यार्पण से स्वागत किया ।

आचार्य सुनील सागर जी महाराज ससंघ को श्रीफल भेट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

पारस विहार मोहनपुरा, मुहाना मंड़ी, जयपुर में स्थित 300 वर्ष अतिशयकारी चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी समिति कमेटी के शिरोमणी संरक्षक राजेन्द्र गोदिका-शान्ति देवी संरक्षक संतोष जैन सडूवाले, सुरेन्द्र पाटनी-सरिता पाटनी, धर्मचंद पाटनी, अध्यक्ष पवन कुमार जैन-सरोज जैन उपाध्यक्ष धर्मेंद्र गोदिका, मंत्री प्रमोद बाकलीवाल, सं मंत्री नरेश जैन-सुमन अजमेरा, कोषाध्यक्ष विरेन्द्र के.सेठी, ब्यावरवाले, सहकोषाध्यक्ष प्रतीक गोदिका, संगठन मंत्री सुभाष पाटनी, लक्ष्मी निकुंज,स.संगठन मंत्री सत्यनारायण , तपन मुहाना वाले, जैन विश्व भारती विश्विद्यालय के शरद जैन 'सुधांशु' पारस विहार/मुहाना सकल दिगंबर जैन समाज ने आचार्य सुनील सागर जी ससंघ को श्रीफल चढ़ाकर पारस विहार में प्रवास करने के लिए निवेदन किया तथा आर्शीवाद प्राप्त किया।

20 दिसम्बर से सूरज मैदान पर भागवत कथा

आज जयपुर पहुंचेंगी जया किशोरी, होगा भव्य स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के बैनर तले आगामी 20 से 26 दिगम्बर तक आदर्शनगर के सूरज मैदान पर भव्य भागवत कथा का आयोजन महाराजश्री त्रिवेणीधाम व श्रीशुक संप्रदाय आचार्य पीठाधीश्वर श्री अलबेली माधुरी शरण जी महाराज की पावन प्रेरणा व सानिध्य में किया जाएगा। इस महोत्सव में विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी अपनी ओजस्वी वाणी से श्रद्धालुओं का भागवत कथा का रसपान कराएंगी। महोत्सव की तैयारियां जोरों पर चल रही है।इस मौके पर भागवत कथा के बहुरंगीय आमंत्रण पत्रिका का विमोचन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल

ने बताया कि इस आयोजन के लिए विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी 19 दिसम्बर को शाम 7 बजे सेठी कॉलोनी स्थित ए-9-10 नारायण निवास पहुंचेंगी जहां उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। इस भागवत कथा का शुभारंभ 20 दिसम्बर को सुबह 8.30 सेठी कॉलानी के श्रीराम मंदिर से 251 महिलाओं की निकलने वाली कलशयात्रा से होगा जो विभिन्न मार्गों से होंती हुई सूरज मैदान पहुंचेगी।

पंचकल्याणक महोत्सव के लिए महोत्सव समिति ने आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी से लिया आशीर्वाद

एसडीएम मड़ावरा को आयोजन की व्यवस्थाओं के लिए दिया ज्ञापन

मड़ावरा, ललितपुर. शाबाश इंडिया

मड़ावरा से 17 किलोमीटर दूरी पर स्थित श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र गिरार गिरी जी में 17 फरवरी से 22 फरवरी 2023 तक आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के विशाल ससंघ सान्निध्य में आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव, विश्व शांति महायज्ञ एवं रथोत्सव के लिए मड़ावरा उपजिलाधिकारी महोदय के लिए आमंत्रण पत्र एवं पंचकल्याणक से संबंधित व्यवस्थाओं के लिए श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र गिरार गिरी प्रबंधकारिणी समिति एवं पंचकल्याणक महोत्सव समिति के पदाधिकारियों ने ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वालों

में चंद्रदीप रावत ब्लॉक प्रमुख , मडावरा, सूरज चौधरी मंडल अध्यक्ष भाजपा, अभिषेक जैन महामंत्री प्रबंध कार्यकारी समिति गिरार, अजित जैन महामंत्री पंचकल्याणक महोत्सव, प्रदीप जैन मंच संचालक पंचकल्याणक महोत्सव, त्रिलोक जैन आदि पंचकल्याणक महामहोत्सव समिति के पदाधिकारी उपस्थित रहे। मीडिया प्रभारी डॉ सुनील संचय ने बताया कि उधर आज चर्या शिरोमणि आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य मैं आयोजित 17 फरवरी से 22 फरवरी तक आयोजित होने वाले पंचकल्याणक महा महोत्सव एवं रथोत्सव के लिए नागपुर में विराजमान आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी से उनके जन्म दिवस पर महोत्सव आयोजन समिति ने आशीर्वाद और मार्गदर्शन प्राप्त किया। तथा गिरार की ओर मंगल पद विहार करने का निवेदन किया। इस अवसर पर महा महोत्सव के माता पिता श्री राजेश जैन -श्रीमती रचना जैन मडावरा वाले इंदौर , महामहोत्सव के द्रव्य प्रदाता परिवार श्री राजेश जी जैन नागपुर, एवं गिरार कमेटी व महोत्सव समिति के लगभग 20 लोग उपस्थित थे।

पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक ''पौष दशमी'' के अवसर पर

जैन सोशल ग्रुप स्वास्तिक द्वारा ''एक कदम जिनालय की ओर'' का भव्य आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप 'स्वस्तिक', उदयपुर द्वारा शहर के विभिन्न भव्य प्राचीन जैन मंदिरों के देव दर्शन की यात्रा कई चरणों में कराई जाने की परिकल्पना के तहत आज शहर के न्यू भूपालपुरा 100 फीट रोड़ से भुवाणा तक स्थित 7 जिनालयों के दर्शन एवम्-मंगल यात्रा धूमधाम से सम्पन्न की गई, जिसमे कई जैन सपरिवार उपस्थित हुए। जैन सोशल ग्रुप स्वास्तिक' के संस्थापक अध्यक्ष धीरज छाजेड़ ने बताया कि शहर एवं उसके आसपास करीब 75 से ज्यादा जैन मंदिर स्थित है। 'स्वास्तिक' ग्रुप की भावना / परिकल्पना है कि हम अपने जैन परिवार के समस्त सदस्यों यथा पति - पत्नी, भाई -बहिन, माता-पिता एवं बच्चों समेत इन मंदिरों की यात्रा विभिन्न चरणों में पूर्ण करें एवं उसके इतिहास , पौराणिक महत्व , प्रतीक चिन्ह एवं भव्यता के बारे में जाने और समझे । ग्रुप की इच्छा है कि नई युवा पीढ़ी जैन समाज की वर्तमान पीढ़ी की साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले एवं बाहर से आकर बसे जैन परिवार भी शहर के इन मंदिरों एवं इनके महत्व को जाने। मंदिरों में जाने एवं प्रभु के दर्शन मात्र से ही सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अपने आप होता हैं, व्यक्ति इसके द्वारा सफलता के सोपान चढ़ सकता है। छाजेड़ ने बताया कि न्यू भूपालपुरा स्थित मंदिर में श्री आदिनाथ भगवान की प्रतिष्ठित मूर्ति लगभग 2400 वर्ष पूर्व राजा सम्प्रति के समय की है। यह चमत्कारी मूर्ति आयड़ मंदिर की खुदाई में निकली थी। स्वस्तिक ग्रुप के मीडिया प्रभारी संजय धाकड़ ने बताया कि ग्रुप ने छठे चरण में रविवार को प्रातः 9.00 बजे से 12.00 बजे तक देव दर्शन की भव्य यात्रा विभिन्न वाहनो द्वारा उदयपुर शहर के न्यू भुपालपुरा, चित्रकूट नगर, भुवाणा इत्यादि परिक्षेत्र में स्थित 7 विभिन्न भव्य एवं निमार्णाधीन जैन मंदिरों के दर्शन एवं उनकी पौराणिक जानकारियों के साथ सम्पन्न की। प्रत्येक मंदिर में स्थित मूर्तियों का अपना चमत्कारिक इतिहास रहा है। भुवाणा में स्थित सुपार्श्वनाथ भगवान की अति प्राचीन मूर्ति के समक्ष प्रातः कालीन बेला में पूजा अर्चना करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस मंदिर में पूजा के तौर तरीकों को उपस्थित दर्शनार्थियों को विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक राजेश सिसोदिया एवं विजया सुराणा ने बताया कि पदयात्रा में एकरूपता बनाये रखने के लिए सभी पुरुष वर्ग ने सफेद कुर्ता-पायजामा एवं महिला वर्ग ने लाल साड़ी में शिरकत की। सुबह सुबह यात्रा के दौरान अन्य नागरिकों ने भी मन्दिर दर्शन की इस परिकल्पना को भौतिकतावादी युग में आवश्यक बताया और इस प्रकार के आयोजन की बहुत प्रशंसा की । प्रत्येक राहगीर भी अचरज से इस प्रकार की यात्रा को देखकर भाव विभोर हो गए। ग्रुप के सचिव सुनील गांग ने बताया कि 'एक कदम जिनालय की ओर' वर्षपर्यन्त निरंतर होने वाला सतत कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम सभी जैन सदस्यों, युवा पीढ़ी एवम्-जैन विचारधारा को मानने वाले जनसमूह को इससे जोड़ना चाहते है, जिससे उनको जैन मंदिरों का स्वर्णिम इतिहास एवं पुरावैभव जानने समझने की इच्छा हमेशा जाग्रत रहे और सुसंस्कारी बने। ग्रुप के सह सचिव गौरव सुराणा ने बताया कि जिनालयों में उपस्थित जनसमूह को गजेंद्र चित्तौड़ा की ओर से अंतिम जिनालय देवेंद्र धाम पर प्रतीक चिन्ह प्रदान किये गए। मेवाड़ रीजन से आशुतोष सिसोदिया, श्याम लाल सिसोदिया आदि ने कार्यक्रम में पूरे

समय अपनी उपस्थिति बनाए रखी। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के डायरेक्टर हिमांशु मेहता ने स्वास्तिक ग्रुप की इस परिकल्पना को पुरे भारत वर्ष में एकमात्र एवं ऐतिहासिक कार्यक्रम बताया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से समाज में फैल रहे अपराधो, वैमनस्यता को दूर कर सकते है। शहर के कई प्रबुद्ध नागरिकों ने इसमें शिरकत करते हुए इस प्रकार के कार्यक्रमों की निरंतरता पर बल दिया। ग्रुप की सभी महिलाओं पुरुषों द्वारा मंदिर प्रांगण में विभिन्न स्तवन एवं प्रभु भक्ति के गीत एक स्वर में गाएं। ग्रुप के उपाध्यक्ष विमल चंद कटारिया के अनुसार जिनालय यात्रा के दौरान किसी भी आपात चिकित्सा व्यवस्था के तहत मेवाड़ हॉस्पिटल के सीनियर मैनेजर रामकिशन ने सेवा भावना से हॉस्पिटल की टीम आई सी यू ऑन व्हील के साथ उपलब्ध करवाई, जो पूरे मार्ग में मौजूद रही। प्रशासन और पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पूरे मार्ग में मुस्तैदी से रही। ग्रुप के कोषाध्यक्ष भावना कावड़िया ने बताया कि सभी सम्मिलित दर्शनार्थियों हेतु कार्यक्रम पश्चात गौतम प्रसादीकी व्यवस्था देवेंद्र धाम में की गयी ।

श्री सम्मेद शिखर को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में 21 दिसंबर को पिड़ावा में निकलेगा भव्य मौन जुलूस

पिड़ावा. शाबाश इंडिया

झारखंड राज्य के गिरिडीह ज़िले में स्थित श्री सम्मेद शिखरजी जोकि जैनों का सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ है। जिसको तत्कालीन झारखंड सरकार की अनुशंसा पर केंद्रीय वन मंत्राल ने सर्वोच्च जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर को वन्य जीव अभ्यारण्य घोषित कर पर्यावरण पर्यटन और अन्य गैर धार्मिक गतिविधियों की अधिसूचना जारी की थी। जिसके विरोध में शनिवार शाम 8 बजे श्री सांवलिया पारसनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर पिड़ावा में सकल दिगंबर जैन समाज की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सकल दिगंबर जैन समाज अनिल चेलावत ने की। बैठक में उपस्थित सभी समाज के गणमान्य लोगों की सर्व सहमति से 21 दिसंबर को सुबह 12 बजे सकल दिगंबर जैन समाज पिड़ावा की ओर से श्री सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में मोन जुलूस निकालकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देने में सर्वसहमति जताई। बैठक में सभी समाज जन ने प्रत्येक घर से अधिक से अधिक संख्या में जैन समाज के लोगों को मौन जुलूस में सम्मिलित होने का आग्रह किया गया। वहीं बैठक में पुरुष वर्ग को सफेद वस्त्र व महिला वर्ग को केसरिया साड़ी पहन कर आने की अपील की। मौन जुलूस के लिए सभी समाज जन श्री सांवलिया पारसनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में एकत्रित होंगे। वहां से नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए उपखंड कार्यालय पहुंचेंगे जहां उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

मन, भाव और विचार ऐसे रखो कि आपके मन की निश्छलता, भावों की विशुद्धि, और विचारों की पारदर्शिता पर लोग विचार करे

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

अच्छा सोचें, अच्छा देखें, अच्छा बोलें, अच्छा सुनें, अच्छा करें और सबके प्रति सद्भाव प्रेम बनाकर चलें फिर देखें, सफलता कैसे आपके चरण चूमती है। जीवन की सफलता के लिए मस्तिष्क में आइस की फैक्ट्री और जुबान पर शूगर की मशीन लगायें। जो लोग धैर्य, विवेक बुद्धि, और संकल्प के श्रम से अपने कार्य को अंजाम देते हैं, वही लोग सफलताओं के शिखर पर पहुंच पाते हैं। जो जीवन में आने वाली हर एक समस्या को समता की बुहारी से अपने मार्ग को बुहारते चले जाते हैं, वे लोग ही हँसते मुस्कुराते हुये एक दिन अपने लक्ष्य को पा लेते हैं।

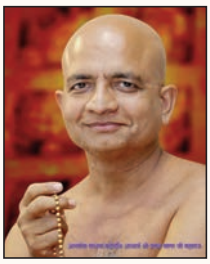

जीवन के हर मार्ग में, फूल है तो कांटे भी मिलेंगे, अच्छा है तो बुरे का सामना भी करना पड़ेगा, फर्श है तो फिसलन भी मिलेगी, और बहुत कुछ देखने और सुनने को भी मिलेगा। यदि हम इन सबमें उल्झेंगे तो हम अपने लक्ष्य और मंजिल तक नहीं पहुंच पायेंगे। इसलिए अपने लक्ष्य और मंजिल को अर्जुन की तरह ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ते रहो। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

मोहनलाल गंगवाल बने नवकार ग्रुप के अध्यक्ष

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप नवकार की साधारण सभा की मीटिंग में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष नवीन सेन जैन ने नॉमिनेशन कमेटी के सदस्य सभी संरक्षकगणों की सिफारिश पर मोहनलाल गंगवाल को आगामी 2 वर्षों के लिए अध्यक्ष बनाने की घोषणा की जिसका पूरे सदन ने तालियों की गूंज से अनुमोदन किया। समारोह के मुख्य अतिथि सतीश सरोज बाकलीवाल एवं दीप प्रज्वलन डॉ रश्मि सुनील जैन ने किया। स्वागत उद्बोधन मे वर्तमान अध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई ने बताया कि दुबई एवं वियतनाम की विदेश यात्राएं फरवरी, मार्च में आयोजित की जाएगी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए आगामी वर्ष में विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। संयोजिका चंद्रकांता छाबड़ा ने आकर्षक गेम्स और हाऊजी खिलाए। सभा का शानदार संचालन शशी सेन जैन ने किया ।

गोल्डन स्टार व नमन पंचोरी को मिला आचार्य सुनील सागर महाराज का आशीर्वाद

गोल्डन गाइज ने किया आजीवन मद्धमास का त्याग

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

जयपुर। आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर वैशाली नगर में विराजमान हैं। आज भारत में गोल्डन गाइज के नाम से पहचाने जाने वाले सनी वाघचोरे व संजय गुर्जर सुनील सागर युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजसेवी नमन पंचोरी एवं रिया पंचोरी ने भारत गौरव चतुर्थ पट्टाधीश आचार्य सुनील सागर जी महाराज के दर्शनार्थ जयपुर पधारें व आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया। गोल्डन गाइज ने कहा कि गुरुदेव के आशीर्वाद से हमें बिग बॉस टीवी सो में जाने का मौका मिला। आचार्य श्री आपके आशीर्वाद से जल्द ही जयपुर और आप के बताई जगहों पर गोल्डन गाइस एनजीओ की शुरूआत करने वाले हैं जिसमें गरीबों को निःशुल्क भोजन वितरण किया जाएगा। प्रवीण बड़जात्या व युवा नेता मोहित जैन ने गोल्डन गाइज का तिलक व माला पहनाकर स्वागत किया। अमन जैन कोटखावदा ने सुनिल सागर युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नमन पंचोरी का तिलक व माला पहनाकर स्वागत किया।

रविवार 25 दिसम्बर को जयपुर सहित पूरे प्रदेश में निकलेगी विशाल मौन रैलियां

जैन समाज के शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेदशिखर जी को पर्यटक स्थल घोषित किए जाने के विरोध में दिगम्बर जैन श्वेताम्बर जैन समाज एकजुट, जयपुर में भट्टारक जी की नसियां में हुई बैठक

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेदशिखरजी को झारखण्ड सरकार की ओर से पर्यटन स्थल (टूरिस्ट प्लेस) घोषित किए जाने के विरोध में आगामी रविवार 25 दिसम्बर को जयपुर सहित पूरे प्रदेश में सकल जैन समाज द्वारा मौन रैलियां निकाली जाकर विरोध में ज्ञापन सौंपे जाएंगे। जयपुर में रामनिवास बाग स्थित अल्बर्ट हॉल से मौन रैली रवाना होकर जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, किशनपोल बाजार, अजमेरी गेट, एमआई रोड होते हुए महावीर स्कूल पहुंचेगी जहां दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन संतों के सानिध्य में धर्म सभा का आयोजन किया जाएगा। यह निर्णय जयपुर के सम्पूर्ण दिगम्बर एवं श्वेताम्बर जैन समाज की रविवार, 18 दिसम्बर, को नारायण सिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियाँ में आयोजित हुई बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। सभा में दिगम्बर एवं श्वेताम्बर समाजों के गणमान्य लोगों के साथ संस्थाओं, संगठनों, महिला मण्डलों, युवा मण्डलों, जैन सोश्यल ग्रुप, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सहित मन्दिरों के मुख्य प्रतिनिधि जुटें और इस मामले में आगे की रणनीति तय की। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के आव्हान पर राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा आयोजित इस बैठक में विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र के तीन बार सामूहिक उच्चारण पश्चात मनीष चौधरी द्वारा मंगलाचरण किया गया तथा श्री सम्मेद शिखर जी के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। तत्पश्चात शाश्वत सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर के चित्र के समक्ष गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने दीप प्रज्ज्वलन किया। भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के अध्यक्ष राजकुमार कोठ्यारी ने अब तक हुई प्रगति पर प्रकाश डाला। सभा में महावीर जी क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, उप महापौर पुनीत कर्णावट, भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एन के सेठी, श्वेताम्बर जैन समाज से राज कुमार बरडिया, प्रमोद दरडा, महेन्द्र सिंघवी, दिगम्बर जैन समाज के राजेन्द्र के शेखर, बाबूलाल ठेकेदार, जस्टिस एन के जैन, सुधीर जैन, हेमन्त सोगानी, रमेश जैन तिजारिया, महेश काला, शीला डोड्या, अशोक जैन नेता, भानू छाबड़ा, विनोद जैन कोटखावदा, रवि जैन सहित राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने सम्बोधित करते हुए शीघ्रातिशीघ्र अहिंसात्मक आंदोलन करने, पूरे प्रदेश में मौन रैलियां निकाली जाने तथा भारत सरकार द्वारा झारखंड सरकार की अनुशंसा पर जारी अधिसूचना को रद्द करने हेतु विरोध स्वरूप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सांसद आदि को ज्ञापन देने की वकालत की।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभजी ट्रस्ट दुर्गापुरा जयपुर

पार्श्वनाथ भगवान के जन्म तप कल्याणक महोत्सव पर अभिषेक शांतिधारा आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान एवं पार्श्वनाथ भगवान के जन्म तप कल्याणक महोत्सव पर पोष बुंदी ग्यारस सोमवार 19.12.2022 को श्री दिगम्बर जैन मन्दिर चन्द्रप्रभजी दुर्गापुरा जयपुर में अभिषेक शांतिधारा प्रातः 6.30 बजे तथा चमत्कारक चन्द्रप्रभ विधान पूजा का आयोजन प्रातः 7.30 बजे से तथा पूजा के पश्चात समाज का वात्सल्य भोजन का आयोजन होगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ ने बताया कि पूर्व संध्या पर रविवार को पंडित दीपक जी शास्त्री के निर्देशन में रात्रि 7.00 बजे से णमोकार महामंत्र की एक माला के पश्चात भक्तामर स्तोत्र पाठ ऋद्धि सिद्धि मंत्रों के साथ दीप प्रज्जवलित कर बड़े भक्ति भाव एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि कार्यक्रम में विधानाचार्य पंडित दीपक कुमार जी जैन शास्त्री एवं संगीतकार पवन कुमार जैन एंड पार्टी होंगे।

चन्द्र प्रभु सौगानी जैन मंदिर करौली में हुआ संगीतमय विधान

जयपुर/करौली. शाबाश इंडिया

परम पूज्या गणिनी आर्यिका गुरु मां स्वस्तिभुषण माता जी के पावन सानिध्य में श्री चन्द्र प्रभु सौगानी जैन मंदिर में भक्ति भाव के साथ श्री चन्द्र प्रभु मंडल विधान का भव्य आयोजन विधानचार्य मुकेश शास्त्री जी के नेतृत्व किया गया। कार्यक्रम आयोजक विनय स्नेहलता सौगानी ने अवगत कराया गुरु मां का जूलूस के रूप बैड बाजों के साथ करौली जैन मंदिर में मंगल प्रवेश हुआ जहां करौली जैन समाज के सभी सदस्यों ने बड़े भक्ति भाव ओर जोर शोर से गुरू मां ससघ की अगुवानी की। इसके पश्चात मंदिर प्रांगण में गुरु मां के मुखरबिन्द से अमृत धर्म की गंगा बाही जिसका सभी गुरू मां भक्तों ने भरपूर धर्म लाभ प्राप्त किया इसके पश्चात श्री जी के समक्ष संगीतमय विधान एवं अन्य धार्मिक आयोजन आयोजित किए गए। आयोजित कार्यक्रम में प्रवास समिति के विनोद जैन कोटखावदा राजकुमार कौठरी बाडा पदमपुरा कमेटी के जे एस जैन परम भक्त अजीत सौगानी पारस सौगानी अन्य समाजबंधु उपस्थित रहे इसके पश्चात सभी पधारें हुए धार्मिक बंधुओ के आयोजक विनय स्नेहलता सौगानी परिवार की ओर वात्सल्य भोजन की व्यवस्था रखी गई।

तीर्थंकर ग्रुप की मीटिंग सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर जयपुर की दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्र प्रभूजी दुर्गापुरा में मीटिंग हुई। ग्रुप के सभी सदस्य मंदिर जी में एकत्रित होकर नमोकार व भक्तामर का पाठ किया तथा भगवान चन्द्र प्रभूकी आरती की। बाद में स्वल्पाहार करके हाल में एकत्रित हुए। श्रीमति मंजू पाण्डया,स्नेहलता,कल्पना वैद,नवरतन ठोलिया व डां शान्ति जैन 'मणि' ने मंगलाचरण किया। भगवान के चित्र का अनावरण डां मनीष जैन 'मणि' ने व दीपप्रज्जवलन श्री महेन्द्र सेठी ने किया। ये दोनों अभी हाल ही में दुर्गापुरा जैन मंदिर जी की कार्यकारिणी में निर्वाचित हुये हैं। इसके पश्चात ग्रुप अध्यक्ष डां एम एल जैन 'मणि' ने सभी आगंतुक सदस्यों का स्वागत किया। बाद में ग्रुप की प्रथम महिला डां शान्ति जैन 'मणि' ने चन्द्र प्रभू भगवान व पार्वनाथ भगवान की जयन्ति के उपलक्ष्य में सदस्यों से उनके ऊपर प्रश्न पूछे व सही उत्तर देने वाले सदस्यों को अध्यक्ष व मंत्री विजय चंद कासलीवाल ने पुरस्कार प्रदान किए। श्रीमति कल्पना वैद ने सदस्यों को धार्मिक हाऊजी व शादी सीजन की हाऊजी खिलाई जिसे सभी सदस्यों ने खूब मनोरंजक तरीके से खेला। सदस्यों की जन्म-दिवस व वैवाहिक वर्षगांठ भी मनाई तथा आगामी नये वर्ष की 29 जनवरी को ग्रुप के सभी सदस्यों को बोलखेडाजी के दर्शन कराने का निर्णय किया। अन्त में स्वादिष्ट भोजन का सभी ने आनन्द लिया व कोषाध्यक्ष श्री पारसजी लुहाडिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।